Title: Need to formulate an action plan for the renovation and preservation of the Buddhist Monasteries in Bihar and other parts of the country.

श्री नरेन्द्र कुमार कुशवाहा : अध्यक्ष महोदय, मैं बहुत महत्वपूर्ण विषय को सदन में उठा रहा हूं। देश में राष्ट्रीय महत्व के अनेक मंदिरों और राष्ट्रीय स्मारकों की हालत बहुत खराब है। भारत सरकार को इस पर गम्भीरता से विचार करना चाहिए।

महोदय, भगवान गौतम बुद्ध का मंदिर बिहार की धरती पर है। तथागत भगवान गौतम बुद्ध का मंदिर बोधगया एवं नालन्दा में है। केसरिया नामक स्थान जो मोतीहारी जनपद में पड़ता है, वहा भगवान गौतम बुद्ध का विश्व का सबसे ऊंचा स्तूप था, जिसकी लम्बाई 170 फीट थी। वह 1834 के भूकम्प में गिर गया। पटना के पुरातत्व विभाग द्वारा उसकी खुदाई की कार्रवाई चल रही है, लेकिन भारत सरकार द्वारा उसके पुनरुद्धार एवं जीर्णोद्धार के लिए अभी तक कोई भी कारगर कदम नहीं उठाए गए हैं।

---

*Not Recorded.

13.00 hrs.

मैं कहना चाहता हूं कि मानव मात्र जीवन के लिए जो मार्ग है, उस पर हिन्दुस्तान के लोग क्यों नहीं विचार करते हैं, जिसके माध्यम से पूरी दुनिया के 44 देश के लोगों का समर्थन एक साथ प्राप्त हो सकता है। ऐसी दिशा में हमारे हिन्दुस्तान की वर्तमान सरकार पुरातत्व विभाग को सजेस्ट करे कि देश में

जितने भी बौद्ध मंदिर हैं, उन पर जो अतिक्रमण किया गया है, उनके जो क्षेत्र हैं, उनके अंदर मस्ज़िद और मंदिर बना करके जो अतिक्रमण किया गया है, उसे हटाया जाए और बौद्ध मंदिर का निर्माण कराया जाए तथा उसके विकास के लिए कोई कारगर कदम उठाया जाए।